



### 1. कॉन्ट्रास्ट एनीमा क्या है?

कॉन्ट्रास्ट एनीमा एक तरह की एक्स-रे प्रक्रिया है जिसमें बैरियम व गैस्ट्रोग्राफिन® (Gastrografin®) जैसे कॉन्ट्रास्ट (पदार्थ जिसे पूर्व में एक्स-रे डार्क के नाम से जाना जाता था) की सहायता से बड़ी आंत (मलाशय) की जाँच की जाती है

### 2. क्या उसमें किसी प्रकार की तकलीफ होगी, किसी एनस्थैटिक (संवेदना हीन करने) की आवश्यकता होती है?

जब आपके मलद्वार में ट्यूब घुसाई जायेगी और गुब्बारे(एक प्रकार के उपकरण) को फुलाया जायेगा तो आपको तकलीफ हो सकती है। इस प्रक्रिया के दौरान आप को भरा भरा लग सकता है और पेट में हल्की सी मरोड़ महसूस हो सकती है, ऐसा होना सामान्य बात है।

कभी कभी मरोड़ या तकलीफ को कम करने के लिये मासपेशियों को आराम पहुँचाने वाली दवाई भी दी जा सकती है।

इस प्रक्रिया के लिये एनस्थैटिक की ज़रूरत नहीं होती।

### 3. प्रक्रिया के लिये तैयारी

मैडिकल इमेजिंग विभाग द्वारा आपको बताया जायेगा कि आप अपने प्रोसिजर के लिये कैसे तैयारी करें।

- पेट को तैयार करने के लिये एक पैकेट। इस प्रक्रिया को सही सही पूरा किया जा सके उसके लिये पेट (बड़ी आंत) का पूरी तरह साफ होना ज़रूरी है।
- यदि आपको संदेह है या आप जानती हैं कि आप गर्भवती हैं तो कृपया कर्मचारियों को बतायें।

### 4. प्रक्रिया के दौरान

आपके मलद्वार में, थोड़ी दूर तक एक चिकनी ट्यूब हल्के से घुसाई जाती है। ट्यूब के मुहँ पर लगे एक गुब्बारे को फुलाया जाता है ताकि ट्यूब को उस जगह पर बनाये रखा जा सके और कॉन्ट्रास्ट को बाहर लीक होने (रिसने) से रोका जा सके।

कॉन्ट्रास्ट को ट्यूब में डाल के आपकी बड़ी आंत में पहुँचाया जाता है। कभी कभी आपकी बड़ी आंत में ट्यूब के द्वारा हवा भी पहुँचाई जाती है। इसके बाद एक्स-रे तस्वीरें ली जाती हैं।

ट्यूब के द्वारा (जितना संभव होगा) कॉन्ट्रास्ट को पेट से बाहर निकाल दिया जायेगा।

ट्यूब को आपके मलद्वार से बाहर निकाल लिया जायेगा।

### 5. प्रक्रिया के बाद

प्रक्रिया के बाद आप टॉयलेट जा सकेंगे। कुछ दिनों तक आपका मल सफेद रंग का हो सकता है, ऐसा होना सामान्य बात है।

प्रक्रिया के बाद, कब्ज व शरीर में पानी की कमी से बचने के लिये, कुछ दिन तक खूब सारा पानी पीना महत्वपूर्ण है।

### 6. इस विशेष प्रक्रिया के क्या क्या खतरे हैं?

इस प्रक्रिया से निम्नलिखित के अलावा भी खतरे व परेशानियां हो सकते हैं।

**सामान्य खतरों व परेशानियों में शामिल हैं:**

- कब्ज, अतिरिक्त मात्रा में तरल पदार्थ व लैक्सेटिक्स (मल को मुलायम करने वाली दवा) पीने से इसे कम करने में सहायता मिलती है।
- दस्त, इससे शरीर में पानी की कमी हो सकती है, अतिरिक्त मात्रा में तरल पदार्थ पीने से इसमें सहायता मिलती है।

**सामान्यतया कम होने वाले खतरों व परेशानियों में शामिल हैं:**

- मैडिकल एवम्/अथवा तकनीकी कारणों से प्रक्रिया करना संभव ना हो।

**बहुत ही कम होने वाले खतरों व परेशानियों में शामिल हैं:**

- एक्स-रे किरणों के संपर्क में आने के कारण जीवन में कैंसर की अधिक संभावना
- बड़ी आंत के अंदर छेद हो जाना। ऐसा होने पर एंटीबायोटिक्स व ऑपरेशन की ज़रूरत पड़ सकती है।
- बड़ी आंत से खून आना. ऐसा होने पर अन्य प्रक्रियायें और/अथवा सुधार के लिये ऑपरेशन की ज़रूरत पड़ सकती है।
- बैक्टेरमिया (खून में इंफेक्शन)। ऐसा होने पर एंटीबायोटिक्स लेने पड़ेंगे।
- कॉन्ट्रास्ट से एलर्जी। इसके परिणामस्वरूप रैश (फुन्सियां), चमड़ी लाल होना या सूज जाना, खुजली, उबकाई, फेंटिंग (चक्कर आकर गिरना या बेहोशी की सी स्थिति) या साँस की कमी। ऐसी स्थितियों में सुधार के लिये दवाई दी जा सकती है।
- इस प्रक्रिया के कारण मृत्यु *बहुत ही* कम मामलों में होती है।

### 7. अस्पताल से छुट्टी होने पर सुरक्षा संबंधी मुद्दे कौन कौन से हैं?

यदि आपकी तबियत बिगड़ जाये या आपको निम्नलिखित में से कोई परेशानी हो जाये तो अपने निकटतम A&E (एक्सीडेंट एंड ईमरजेंसी) विभाग या GP (डॉक्टर) के पास जायें;

- मल या मुत्र त्याग में कोई समस्या





**Queensland  
Government**

**PATIENT INFORMATION SHEET ONLY**

**NO DOCUMENTED CONSENT REQUIRED**

*Unless patient is renal impaired*

If a documented consent is required  
Interpreter Services *must* be accessed